Year Plan for Maulana Abul Kalam Azad Institute of Asian Studies, Calcutta.

(c) Yes, Sir.

(d) The amount will be spent on construction/renovation of the Institute and for its maintenance, administration and infrastructure.

(e) Yes, Sir. Apart from Central Government nominees, the Secretary, Department of Culture, Human Resource Development, Secretary, Department of Education, Ministry of Human Resource Development, Financial Adviser, Department of Culture, Ministry of Human Resource Development are the ex-officio representatives. The Indian Council for Cultural Relation, Indian Council of Historical Research and Indian Council of Social Science Research are also represented in the Society.

Commissioner of Kendriya Vidyalaya Divested of Powers

3176. SHRI J. S. RAJU : Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Commissioner of Kendriya Vidyalaya Sangathan has recently been divested of many of his duties and responsibilities; and

(b) if so, the reasons therefor ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF EDUCATION AND DEPARTMENT OF CULTURE) (KUMARI SELJA) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा क्षेत्रीय-भाषाओं की पुस्तकों को प्रोत्साहन दिया जाना

3177. **श्री अजीत जोगी** : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या क्षेत्रीय-भाषाओं की पुस्तकों को प्रोत्साहन देने संबंधी कोई प्रस्ताव राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के विचाराधीन है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान इस संबंध में क्या कदम उठाये गये हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उप मंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) से (ग) राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत का एक उद्देश्य, जैसा कि इसके संघ के ज्ञापन में निर्दिष्ट किया गया है, अन्य बातों के साथ-साथ हिन्दी, अंग्रेजी तथा भारत के संविधान में मान्यता प्राप्त अन्य भाषाओं में अच्छे साहित्य के निर्माण को प्रोत्साहित करना है । इस उद्देश्य के अनुसरण में, न्यास विभिन्न भारतीय भाषाओं में पुस्तकें प्रकाशित करता रहा है और पिछले 3 वर्षों के दौरान ऐसी भाषाओं में प्रकाशित पुस्तकों की संख्या 1195 है ।

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास ने हाल ही में एक नई योजना शुरू की है जिसके अंतर्गत प्राइवेट तथा सरकारी क्षेत्रों के प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित किसी क्षेत्रीय भाषा की चुनिन्दा पुस्तकों की प्रदर्शनियां उस क्षेत्र में आयोजित की जाती है जहां यह भाषा बोली जाती है । प्रदर्शनी के दौरान जो सामान्यतया किसी केन्द्रीय रूप से स्थापित स्कूल, कालेज अथवा सार्वजनिक पुस्तकालय में आयोजित की जाती है, न्यास की प्रदर्शनी एवं-बिक्री गाड़ी चुनिन्दा पुस्तकों को निकटवर्ती क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्रों तथा औद्योगिक केन्द्रों जैसे क्षेत्रों में ले जाती है ।

तमिलनाडु में चुनिन्दा तमिल प्रकाशनों तथा उत्तर प्रदेश और बिहार में चुनिन्दा हिन्दी प्रकाशनों की प्रदर्शनियां क्रमश : सितम्बर, 1992 अक्तूबर, 1992 में शुरू की गई है ।

Bilingual Question Paper

3178. SHRI MOHAMMED AFZAL alias MEEM AFZAL : Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) whether it is fact that Central Board of Secondary Education provides bilingual question paper;

(b) whether it is also a fact that this year the students of Senior Secondary Examination were provided only an Urdu version question paper of economics;

(c) whether it is also a fact that most of the students could not solve the question papers as English/Hindi equivalent were not provided and the Urdu version of the terms was unfamiliar to students; and

(d) if so, what steps have been taken by Government for the next examinations ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF EDUCATION AND DEPARTMENT OF CULTURE) (KUMARI SELJA) : (a) As per information received from the Central Board of Secondary Education, bilingual question papers (English and Hindi versions) are provided to the candidates appearing in the Class X and Class XII Examinations conducted by the Board. In addition, Question Papers in Urdu version are also supplied to the candidates belonging to Delhi Administration Schools whose medium of instruction is Urdu.

(b) No, Sir.

(c) and (d) Do not arise.

आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान प्रौढ़ शिक्षा का लक्ष्य

3179. **श्री राम जेठमलानी :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान कुल प्रौढ़ आबादी के 70 प्रतिशत को साक्षर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है,

(ख) यदि हां, तो इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार ने कौन सा कार्यक्रम कार्यान्वित करने का निर्णय लिया है, और

(ग) इस कार्यक्रम के कार्यान्वयन पर व्यय करने हेतु कुल कितनी धनराशि आबंटित की गई है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उप मंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) प्रारम्भिक शिक्षा को सर्वव्यापी बनाने तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के सम्मिलित प्रयासों से यह आशा की जाती है कि आठवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक देश में साक्षरता दर लगभग 70 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी ।

(ख) प्रारम्भिक शिक्षा को सर्वव्यापी बनाने तथा राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के अन्तर्गत आठवीं योजना के लिए एक व्यापक कार्यक्रम आरम्भ किया गया है । प्रारम्भिक शिक्षा को सर्वव्यापी बनाने के कार्यक्रम के तहत, निर्धारित लक्ष्य निम्नवत् हैं :—

पहुंच :

1. सभी बच्चों, जिनमें लड़कियां तथा अनु. जाति/अनु. जनजाति के व्यक्ति भी शामिल हैं, का सर्वव्यापक नामांकन;

2. एक किलोमीटर की पैदल दूरी के भीतर वाले क्षेत्र में सभी बच्चों के लिए प्राथमिक स्कूलों का प्रावधान तथा पढ़ाई बीच में छोड़ जाने वाले, स्कूल न जा सकने वाले कामकाजी बच्चों तथा लड़कियों के लिए अनौपचारिक शिक्षा की सुविधा;

3. अपर प्राथमिक स्कूलों से प्राथमिक स्कूलों के मौजूदा अनुपात 1 :4 को 1 : 2 करके उसमें सुधार करना जो कि अपर प्राथमिक स्तर पर लड़कियों की सहभागिता में वृद्धि करने के व्यापक अवसरों के लिए एक पूर्व-शर्त होगी ।

सहभागिता :

4. पहली से पांचवी तथा पहली से आठवीं कक्षाओं के बीच, पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले छात्रों की दर मौजूदा 40% तथा 60% से कम करके क्रमश: 20% तथा 40% करना ।